6 गाँव का जीवन (लेख)

सतत शहर और समुदाय (गाँव की संस्कृति, जीवनशैली और सामुदायिक सहयोग)

पाठ का परिचय

यह पाठ बच्चों को गाँव के जीवन से **परिचित** कराता है। इसमें हम एक छोटे से गाँव की सैर करेंगे और वहाँ के लोगों, उनके काम, और प्रकृति के साथ उनके रिश्ते के बारे में जानेंगे। इस पाठ के माध्यम से छात्र गाँव की सुंदरता को समझेंगे।

पाठ का उद्देश्य

स्थानीय संस्कृति CG 1 CG 4

1. छात्र गाँव के जीवन और वहाँ की संस्कृति के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. प्रकृति और **सहयोग** जैसे मूल्यों को समझने का अवसर मिलेगा।
3. **जिज्ञासा** और सोचने की क्षमता का विकास होगा।

एक छोटा सा गाँव था, जिसका नाम था नन्हीपुर। यह गाँव हरे-भरे खेतों, ऊँचे पेड़ों और रंग-बिरंगे फूलों से घिरा हुआ था। सुबह सूरज की किरणें गाँव को रोशन करती थीं और मुर्गे की बाँग से सबकी नींद टूटती थी। गाँव में एक छोटी नदी बहती थी, जिसका पानी इतना साफ था कि उसमें नीला आसमान और सफेद बादल दिखाई देते थे।

नदी के किनारे बच्चे खेलते और मछलियाँ देखते।

नन्हीपुर में राधा नाम की एक नन्ही लड़की रहती थी। वह अपने भाई मोहन के साथ रोज सुबह खेतों में जाती थी। उनके पिताजी गायों को चारा खिलाते और माँ खेत में धान की फसल की देखभाल करती। राधा को फूलों से बहुत प्यार था। एक दिन उसने पीले फूलों का गुच्छा देखा और बोली, “भैया, ये कितने सुंदर हैं! क्या हम इन्हें घर ले जाएँ?” मोहन ने हँसकर कहा, “हाँ, लेकिन पहले माँ से पूछना पड़ेगा।”

गाँव के लोग एक-दूसरे की बहुत मदद करते थे। अगर किसी के पास अनाज कम हो जाता, तो पड़ोसी अपने अनाज में से थोड़ा दे देते। शाम को सब लोग चौपाल पर बैठते और दादाजी पुरानी कहानियाँ सुनाते। वह बताते, “पहले गाँव में बिजली नहीं थी। हम लालटेन जलाकर रात बिताते थे।” बच्चे आँखें फाड़कर उनकी बातें सुनते और कभी-कभी डरावनी कहानियों पर हँस पड़ते।

राधा को गाँव का हर कोना पसंद था। उसे नदी में कागज की नाव चलाना, तितलियों के पीछे दौड़ना और चिड़ियों की चहचहाहट सुनना अच्छा लगता था। एक दिन उसने सोचा, “हमारा गाँव कितना खास है। यहाँ न कोई शोर है, न धुआँ। सब कुछ शांत और हरा-भरा है।” उसने मन में ठान लिया कि वह बड़ी होकर अपने गाँव को और सुंदर बनाएगी।

नन्हीपुर का हर दिन मेहनत और खुशियों से भरा होता था। बच्चों, क्या तुम्हें गाँव में रहना पसंद आएगा? वहाँ तुम क्या करना चाहोगे?

शब्दार्थ

समृद्ध शब्दावली CG 4

परिचित	- जान-पहचान होना	चौपाल	- गाँव की बैठक
सहयोग	- एक-दूसरे की मदद	लालटेन	- तेल का दीपक
जिज्ञासा	- जानने की इच्छा	शांत	- चुप और सुकून
नन्ही	- बहुत छोटी	मेहनत	- कड़ा परिश्रम
फसल	- खेत की उपज		

अभ्यास

समग्र मूल्यांकन CG 1 CG 4

शिक्षक इन शब्दों को पढ़ेंगे और छात्र उन्हें लिखेंगे।

श्रुतलेख- गाँव, नदी, खेत, फूल, मदद, चौपाल, कहानी, शांत, मेहनत, प्रकृति

मौखिक प्रश्न

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताइए।

1. राधा को खेतों में क्या पसंद था?
2. गाँव के लोग एक-दूसरे की मदद कैसे करते थे?
3. गाँव के लोग शाम को कहाँ इकट्ठा होते थे?
4. राधा अपने भाई के साथ कहाँ जाती थी?

लिखित प्रश्न

क. सही विकल्प पर सही का चिह्न (✓) लगाइए।

1. गाँव का नाम था –

   (i) बड़ापुर (ii) नन्हीपुर (iii) सूरजपुर (iv) चाँदपुर

2. राधा को बहुत पसंद थे –

   (i) किताबें (ii) खिलौने (iii) फूल (iv) पत्थर

3. चौपाल पर लोग सुनते थे –

   (i) गाने (ii) कहानियाँ (iii) समाचार (iv) विज्ञापन

4. राधा का भाई था –

   (i) रमेश (ii) सोहन (iii) मोहन (iv) राजू

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. गाँव में सुबह सूरज की किरणें क्या करती थीं?

2. राधा के पिताजी गायों को क्या खिलाते थे?

3. गाँव के लोग अनाज कैसे बाँटते थे?

4. राधा को नदी में क्या करना अच्छा लगता था?

5. तुम्हारे विचार से गाँव का जीवन कैसा होता है?

ग. सही मिलान कीजिए।

1. राधा	(i) नन्हीपुर
2. नदी	(ii) फूल पसंद
3. दादाजी	(iii) साफ पानी
4. माँ	(iv) कहानियाँ
5. गाँव	(v) खेत में काम

भाषा ज्ञान

व्याकरण कौशल CG 1 CG 4

क. निम्नलिखित शब्दों के विलोम (उल्टे अर्थ वाले) शब्द चुनकर सही का निशान (✓) लगाइए।

1. **सुंदर**	(i) बदसूरत	(ii) रंगीन	(iii) तेज	(iv) हरा
2. **शांत**	(i) हरा	(ii) साफ	(iii) शोर	(iv) नीला
3. **ऊँचा**	(i) नीचा	(ii) लंबा	(iii) बड़ा	(iv) छोटा
4. **साफ**	(i) तेज	(ii) गंदा	(iii) ठंडा	(iv) गरम
5. **दिन**	(i) सुबह	(ii) रात	(iii) दोपहर	(iv) शाम

ख. **अनेकार्थी शब्द** वे शब्द होते हैं जिनके एक से अधिक अर्थ होते हैं। यह अर्थ वाक्य के आधार पर बदल जाते हैं। उदाहरण— "पत्र" का अर्थ "पत्ती" और "चिट्ठी" दोनों हो सकता है।

निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों के अर्थ लिखकर उनका वाक्य प्रयोग कीजिए।

1. **पर** अर्थ 1: ऊपर

वाक्य: चिड़ियाँ पेड़ की डाल पर बैठी थीं।

अर्थ 2: लेकिन

वाक्य: राधा फूल तोड़ना चाहती थी, पर पहले माँ से पूछना था।

2. **आम** अर्थ 1: एक फल का नाम

वाक्य: ....

अर्थ 2: सामान्य या साधारण

वाक्य: ....

3. **फल** अर्थ 1: पेड़ से मिलने वाली खाने की चीज

वाक्य: ....

अर्थ 2: परिणाम

वाक्य: ....

मूल्यपरक प्रश्न

नैतिक शिक्षा CG 5

नन्हीपुर गाँव में लोग एक-दूसरे की बहुत मदद करते थे। अगर किसी के पास अनाज कम हो जाता, तो पड़ोसी खुशी-खुशी उसे अपने अनाज में से दे देते। राधा ने देखा कि गाँव का हर व्य क्ति मेहनत करता था और प्रकृति का सम्मान करता था।

1. गाँव के लोग एक-दूसरे की मदद क्यों करते थे?
2. तुम अपने दोस्तों की मदद कैसे कर सकते हो?

गतिविधियाँ

सृजनात्मक सोच और कल्पनाशीलता CG 1 CG 4 CG 5

कल्पना की उड़ान

रचनात्मक चिंतन

अगर तुम राधा की जगह होते, तो गाँव में क्या-क्या करना पसंद करते?

रचनात्मक कार्य
कला समेकन

एक तितली बनाएँ और उसे रंग-बिरंगे रंगों से सजाएँ।

बातचीत का मंच
संवाद कौशल

1. अपने दोस्तों से पूछिए उन्हें गाँव या शहर में क्या पसंद है।
2. कक्षा में चर्चा कीजिए गाँव और शहर में क्या अंतर है।

करके देखो
बहु-विषयक शिक्षा

कागज की नाव बनाएँ और उसे पानी में चलाएँ।

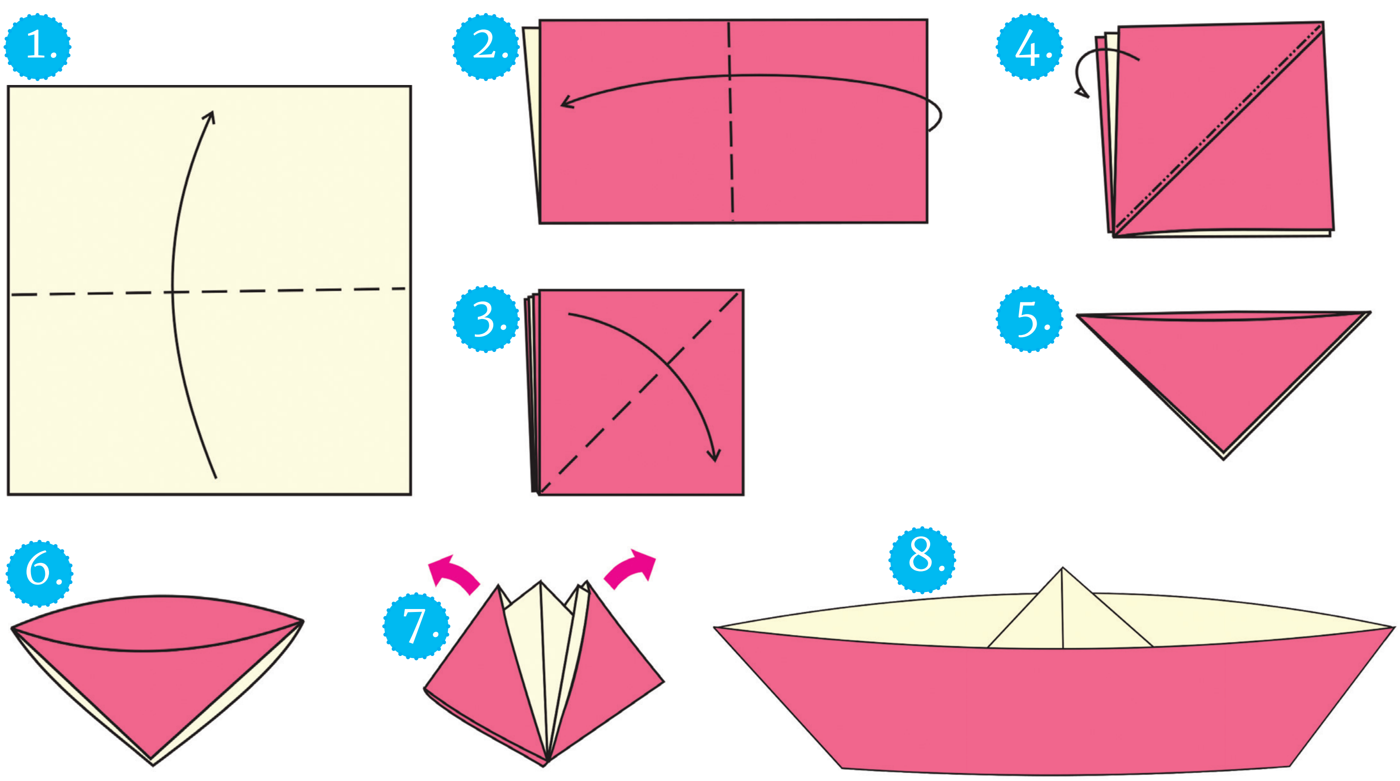

अनोखा स्कूल

एक शहर में अर्जुन नाम का लड़का रहता था। उसे किताबें रटना बोरिंग लगता था, पर उसे पतंग बनाना और उड़ाना पसंद था। एक दिन स्कूल में नया नियम आया। प्रिंसिपल सर बोले, "अब पढ़ाई के साथ हुनर भी सीखोगे।" अगले दिन कक्षा में कागज, बाँस, और धागे आए। "चलो, पतंग बनाओ," सर बोले। अर्जुन ने लाल-पीली पतंग बनाई और उसे उड़ाया। सबने ताली बजाई।

फिर एक दिन मिट्टी से गमले बनाए। अर्जुन ने छोटा गमला बनाकर उसमें तुलसी बोई। शिक्षिका ने कहा, "ये भी विज्ञान है।" अगले हफ्ते बच्चों ने नाटक किया। अर्जुन ने गाँधीजी का रोल चुना और उनकी तरह सच बोला। सबने कहा, "वाह, क्या अभिनय!" एक दिन कहानी लिखने को कहा गया। अर्जुन ने लिखा, "मेरी पतंग आसमान से बात करती है।" शिक्षिका बोलीं, "सपनों को उड़ान दो।"

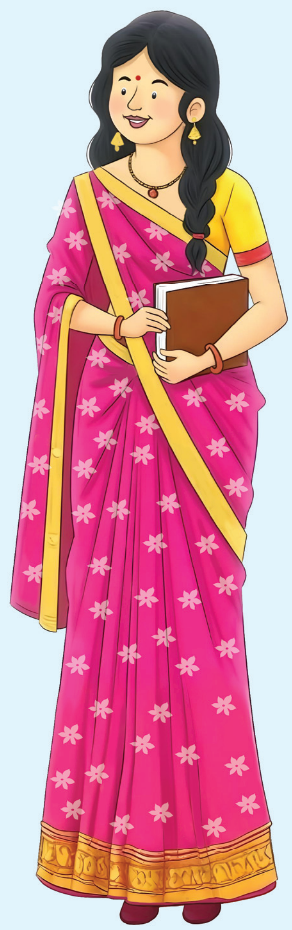

नई शिक्षा ने अर्जुन को सिखाया कि पढ़ाई किताबों से आगे है। अब वह रोज़ स्कूल दौड़कर जाता, क्योंकि वहाँ हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता था।